Dr. Sunil Kr. 'Suman'
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology
D.B. College Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study material
B.A. Part-II (H)
Paper- IV
Date-9-10-20
To-Next class

Gestalt Psychology

Contribution in the Field of Perception

(8) आकृति एवं पृष्ठभूमि का नियम (Principle of Figure and background):- यह नियम इस तथ्य पर बल डालता है प्रत्यक्षण किसी आकृति (Figure) के रूप में संगठित हो जाती है और एक निश्चित पृष्ठभूमि (background) पर दिखायी देती है। आकृति का एक मुख्य गुण यह होता है कि यह स्पष्ट एवं उत्कृष्ट (outstanding) होता है। तथा पृष्ठभूमि तुलनात्मक रूप से अस्पष्ट एवं अनुत्कृष्ट होते हैं।

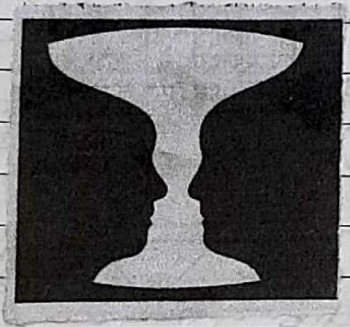

चित्र सं० - 3

पलटवाँ आकृति (Reversible Figure) में आकृति (Figure) कभी पृष्ठभूमि में और पृष्ठभूमि कभी आकृति के रूप में पलटते हुए दिख पड़ता है। इसका नमूना हमें चित्र 3 में मिलता है जिसमें कभी दो मानव के चेहरे के आकृति के रूप में तो कभी एक पीकदानी के रूप में आकृति के रूप में दिखाई पड़ता है।

प्रत्यक्षणात्मक संगठन के यह सभी नियमों के आधार पर गेस्टाल्ट मनोवैज्ञानिकों द्वारा कई महत्वपूर्ण एवं सफल सामान्यीकरण (Generalization) किए गए जिसमें इनके योगदानों की महत्व काफी बढ़ गई है।

P.T.O

Scanned with CamScanner

(iii) वस्तु स्थिरता (object constancy) :- प्रत्यक्षणात्मक संगठन के इन विभिन्न नियमों के आधार पर गेस्टाल्ट मनोवैज्ञानिकों द्वारा एक सामान्यीकरण यह किया गया की व्यक्ति जिस वस्तु का प्रत्यक्षण करता है उसे विभिन्न आयामों (Dimensions) से देखने के बावजूद भी एक समान ही देखता है। इसे प्रत्यक्षणात्मक स्थिरता (perceptual constancy) की संज्ञा दी गयी है। जैसे :- कोयला के एक टुकड़ा को धूप में रखकर देखा जाय तथा फिर छाया में रखकर देखा जाए तो दोनों ही हालत में व्यक्ति उस कोयला के रूप में ही देखेगा हालाँकी धूप में दीप्ति के परावर्तन (Reflection) की मात्रा छाया में दीप्ति के परिवर्तन की मात्रा से अधिक होगा। इसे दीप्ति स्थिरता (brightness constancy) कहा जाता है। इसी तरह से प्रत्यक्षण में आकार स्थिरता (size constancy), रंग स्थिरता (colour constancy), प्रारूप स्थिरता (shape constancy), आदि भी होता है। गेस्टाल्ट मनोवैज्ञानिकों का मत है कि प्रत्यक्षणात्मक स्थिरता हालातों या परिस्थितियों के बारे में दी गयी सूचना से प्रमाणित होता है। अगर इस तरह की सूचना प्रत्यक्षणकर्ता (perceiver) को नहीं दी जाती है, तो प्रत्यक्षणात्मक स्थिरता काफी हद तक कम हो जाती है।

Next class